①

BA-(H)
मैथिली प्रतिष्ठा
पार्ट-थर्ड

प्रो० संजीत कुमार राम
(अतिथि शिक्षक)
मैथिली विभाग
R.S.J. College, Rajnagar
Madhubani (L.N.M.U)

वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री'क कृतित्व:

वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री' जीवनपर्यन्त साहित्य सर्जना मे लागल रहलाह। संस्कृत, मैथिली, हिन्दी आओर बंगला भाषामे कुल मिला कऽ ई० लगभग 48 टा पोथी रचना कएलनि। मैथिली भाषा मे चित्रा (1949), पत्रहीन नग्नगाछ (1967), पारो (1946), नवतुरिया (1954), बलचनमा (1952) मे प्रकाशित भेल।

चित्रा:- चित्रा नामक काव्य संग्रह यात्रीजीक पहिल मैथिली काव्य संकलन थीक। एहि काव्य संग्रहक प्रकाशन 1949 ई०क मध्य रचना कएल गेल। चित्रा मे संगृहित किछु कविता यथा- माँ मिथिले, अंतिम प्रणाम, कविक स्वप्न, कोशिकीक धार, गामक चिट्ठी, युगधर्म, परम सत्य विलक्षण भावक अछि। चित्रा मे संगृहित कविता सभ मैथिली साहित्य मे स्थायी महत्वक अछि।

पत्रहीन नग्न गाछ:- ई कृति 1967 ई०मे प्रकाशित भेल। हिन्दीक महान कवि सुमित्रानंदन पंत 'पत्रहीन नग्न गाछ'क लोकार्पण कएलनि। एहि कविता सभ मे गम्भीर भावक अभिव्यक्ति निहित अछि। एहि मे संकलित कविता सभ संगृहित विषयक राजनीतिक कुटिलता, सामाजिक

विषमता, आवश्यक पदार्थक बढ़ैत महगी, निरंतरैत दीनता, अशान्तता, विवशता एतक चित्रण हिनि रचनाक मुख्य केन्द्र बिन्दु रहल अछि।

पारो – ई उपन्यास अछि जकर प्रकाशन 1946 ई० मे भेल। एहि मे बिरजू आ बिरजूक पितियौत बहिनि पारोक, परस्पर आकर्षण प्रेम ओ कोमल भावनाक चित्रण भेल अछि। ई तत्कालीन समाजमे पसरल आकर्षण प्रेम आ कोमल भावनाक चित्रण भेल अछि। ई तत्कालीन समाज मे पसरल अनमेल विवाहक परिणाम छल।

नवतुरिया :- नवतुरिया यात्री जीक दोसर मैथिली उपन्यास थिक जकर प्रकाशन 1954 ई० मे भेल। एहि उपन्यास माध्यम स यात्रीजी समाज सुधारक संदेश देलनि अछि। एहि उपन्यास मे बाल वृद्ध विवाह आ तकर प्रतिकार मे नवतुरिया लोकनि मे नवजागरणक बात कहल गेल अछि। 60 वर्षक चतुरानन जखन बिसेसरीक संग विवाह हेतु प्रस्तुत होइत छथि तखन लोकनिक ई काज नवतुरिया लोकनि के पसिन्न नहि पड़ैत छनि।

<u>बलचनमा</u> :- बलचनमा मूलतः हिन्दीमे लिखल गेल आ प्रकाशित 1952 ई० मे भेल। मैथिलीमे अनुवाद 1967 ई० मे कएलनि। समाजवादी, यथार्थवादी ~~सोच~~ ~~रखलनि~~ दृष्टि स सम्पन्न 'बलचनमा' उपन्यास महत्वपूर्ण भावना के उपन्यासकार समाजक सोझा रखलनि अछि।

हिनक हिन्दीमे सेहो अनेको रचना कएलनि – रतिनाथ की चाची, बाबा बटेसरनाथ, दुःखमोचन, बलचनमा, वरुण के बेटे, नई पौधे, जमनिया का बाबा, कुम्भीपाक, सतरंगे पंखों वाली, पानी पथराई आँखें, तालाब की मछलियाँ, चंदना, खिचड़ी इत्यादि।

Jamujit Kumar
08/08/20